सांध्य दैनिक 4PM

आंख के बदले में आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।
–महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 83 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 27 अप्रैल, 2022

सुप्रीम कोर्ट से यूपी सरकार को राहत... 2 | विधायक सपा से हैं, फिर अचानक... 3 | भाजपा राज में हर ओर फैल रही... 7

चौथी लहर का खतरा, पीएम बोले

अभी नहीं टली कोरोना की चुनौती

ओमिक्रॉन व अन्य वैरिएंट पैदा कर सकते हैं गंभीर हालात, मुख्यमंत्रियों संग की बैठक

» चौबीस घंटे में करीब तीन हजार संक्रमित, 32 लोगों की हुई मौत

» कोरोना प्रोटोकॉल के पालन की अपील, लगातार आठ दिनों से बढ़ रहा है संक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना की चौथी लहर का खतरा मंडराने लगा है। पिछले आठ दिनों से संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मुख्यमंत्रियों संग बैठक की। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कोरोना केस बढ़ रहे हैं, जिससे अलर्ट होने की जरूरत है। कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है। ओमिक्रॉन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गंभीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, ये यूरोप के देशों में देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ नेशनल और ग्लोबल स्थिति को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं। उनके सुझावों पर हमें सामूहिक दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा।

संक्रमण को शुरुआत में ही रोकना हमारी प्राथमिकता पहले भी थी, आज भी यही होनी चाहिए। देश में लंबे समय के बाद स्कूल खुले हैं, ऐसे में कोरोना केस के बढ़ने से कहीं न कहीं अभिभावकों की चिंता बढ़ रही है। बच्चों के संक्रमित होने की खबरें सामने आ रही हैं लेकिन संतोष की बात है कि बच्चों को वैक्सीन का कवच मिल रहा है। छह से 12 साल तक के बच्चों के लिए कोरोना टीकाकरण की अनुमति मिल गई है। पहले की तरह स्कूल में विशेष अभियान चलाने की जरूरत है। दो साल के भीतर देश ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर ऑक्सीजन तक में सुधार हुआ है। तीसरी लहर में किसी भी राज्य से स्थितियां अनियंत्रित होने की खबर नहीं आई है। वैक्सीन जन-जन तक पहुंची है। यह बैठक तब हुई जब कोरोना की चौथी लहर का खतरा है। पिछले 24 घंटे में करीब तीन हजार मामले सामने आए हैं, वहीं 32 लोगों ने जान भी गंवाई है।

इस तरह हुआ इजाफा

भारत में कोरोना की रफ्तार बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक चौबीस घंटे में कोरोना के 2,927 नए मामले सामने आए हैं जबकि 32 लोगों की मौत भी हुई है। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या अब 5,23,654 हो गई है। लगातार आठवां दिन है जब कोरोना के दो हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। 19 अप्रैल को 2067, 20 अप्रैल को 2380, 21 अप्रैल को 2451 मामले, 22 अप्रैल को 2527, 23 अप्रैल को 2593, 24 अप्रैल को 2541 और 25 अप्रैल को देश में 2,483 नए मामले सामने आए थे।

तेल कीमतों को कम करने के लिए राज्य सरकारें घटाएं वैट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर राज्य सरकारों से वैट घटाने की अपील की है। पीएम मोदी ने कहा कि छह महीने लेट ही सही लेकिन अब राज्य सरकारें तेल पर टैक्स घटा दें।

राहुल ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना, कहा

हेट इन इंडिया और मेक इन इंडिया साथ-साथ नहीं चल सकते

» बढ़ती बेरोजगारी पर उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुछ वैश्विक ब्रांड के भारत छोड़ने की खबर का हवाला देते हुए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा उन्होंने कहा कि 'हेट इन इंडिया' (भारत में घृणा) और 'मेक इन इंडिया' (भारत में विनिर्माण) साथ-साथ नहीं चल सकते।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, कारोबार भारत से बाहर ले जाने की सुगमता है। सात वैश्विक ब्रांड, नौ फैक्ट्रियां और 649 डीलरशिप चले गए।

84,000 नौकरियां खत्म हो गईं। 'मोदी जी, 'हेट इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत के खतरनाक बेरोजगारी संकट पर ध्यान देने का समय है।' इसके पहले उन्होंने ट्वीट किया था कि न्यू इंडिया का न्यू नारा हर-घर बेरोजगारी, घर-घर बेरोजगारी। 75 सालों में मोदी जी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके मास्टर स्ट्रोक से 45 करोड़ से ज्यादा लोग नौकरी पाने की उम्मीद ही छोड़ चुके हैं।

आजम को लेकर सियासत जारी, अब बरेलवी मौलाना ने योगी-मुलायम को लिखा खत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से आजम खां की नाराजगी की खबरों के बीच यूपी में सियासत का दौर जारी है। अब सुन्नी बरेलवी मुसलमानों का मरकज कहे जाने वाले बरेली शहर से जेल में बंद आजम खान की रिहाई की अपील की गयी है। तंजीम उलेमा-ए- इस्लाम के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को चिट्ठी लिखी है।

बरेलवी मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने मुलायम सिंह यादव को भेजी चिट्ठी में कहा है कि आजम खां आपके पुराने साथी ही हैं और उन्होंने समाजवादी पार्टी को बुलंदियों पर खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई है। इस वक्त वह बुरे हालातों से गुजर रहे हैं इसलिए प्रधानमंत्री से गुजारिश कर आजम खां की रिहाई के लिए कदम उठाए वरना हम समझेंगे मुसलमानों से किए वादे आपके झूठे हैं। यही नहीं मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजी चिट्ठी में कहा है कि समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां ढाई साल के जेल में बंद हैं। आजम खां कई बार विधायक, सांसद और उत्तर प्रदेश में मंत्री भी रह चुके हैं। लिहाजा आप से गुजारिश है कि जेल में उनके खाने-पीने और रहने के लिए माकूल इंतजाम हो। आजम खां की रिहाई में प्रदेश सरकार कदम बढ़ाएगी तो मुसलमानों के अंदर आपके प्रति सोच में बदलाव दिखाई देगा।

» वरिष्ठ नेता की रिहाई की अपील

मंत्रियों-अफसरों को तीन माह में घोषित करनी है अपनी और परिवार की संपत्ति

» ऑनलाइन पोर्टल पर जनता को मिलेगी संपत्ति की पूरी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों और अधिकारियों (सभी लोक सेवकों) को तीन माह में अपने और अपने परिवार के सदस्यों की संपत्ति बतानी होगी। उनके संपत्ति की जानकारी आम जनता के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर साझा की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों को नसीहत भी दी कि शासन के कामकाज में उनके परिवार के सदस्य हस्तक्षेप न करें। उन्होंने योगी सरकार 2.0 के एक माह पूरा होने पर आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों को कामकाज का रोडमैप सौंपा।

सरकार के मंत्रियों और शासन के सभी प्रमुख अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जनप्रतिनिधियों और लोक सेवकों (आईएएस, पीसीएस) के आचरण की शुचिता अति आवश्यक है। मंत्री और अधिकारी अपने कामकाज

और व्यवहार में आचरण का खासतौर पर ध्यान रखें। मंत्रियों को अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने मंत्रियों व लोकसेवकों को अगले तीन माह की अवधि में अपने और अपने परिवार के सदस्यों की समस्त चल-अचल संपत्ति की सार्वजनिक करने को कहा। उन्होंने सभी मंत्रियों को कार्ययोजना को समयबद्ध पूरा कराने और कामकाज में अधिकारियों का मार्गदर्शन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश सरकार के सभी मंत्री सोमवार और मंगलवार को राजधानी में रहेंगे। जबकि शुक्रवार से रविवार तक अपने निर्वाचन क्षेत्र और प्रभार वाले जिलों में रहेंगे। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यमंत्रियों को कार्य आवंटन हो गया है। यह सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय बैठकों में राज्यमंत्री भी शामिल रहें। सभी मंत्री दूसरे राज्यों या देशों का दौरा करने जाएं तो लौटने के बाद अपने अनुभवों और नई जानकारियों के बारे में मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रस्तुतीकरण भी दें।

शुक्रवार से तीन दिन सरकार जनता के द्वार

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक माह पूरा होने पर अब सरकार जनता के द्वार पहुंचेगी। उप मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों की अध्यक्षता में गठित 18 मंत्री समूह शुक्रवार से रविवार तक एक-एक मंडल का दौरा कर सरकार की योजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। पहले चरण का दौरा पूरा होने के बाद मंत्री समूहों को रोटेशन के आधार पर दूसरे मंडलों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मंत्री समूह 15 मई तक अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्तुत करेंगे। इसके आधार पर कैबिनेट बैठक में आगे का रोडमैप तैयार किया जाएगा। एनेक्सी में मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र से पूर्व मंत्रिपरिषद के प्रदेश भ्रमण का कार्य पूरा करना होगा। मंडलों के भ्रमण के लिए दोनों उप मुख्यमंत्री की टीम में एक-एक राज्य मंत्री को शामिल किया गया है। शेष 16 कैबिनेट मंत्रियों की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समूह बनाए गए हैं। इनमें एक राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और एक राज्यमंत्री हैं।

जिले में 24 घंटे रहना होगा मंत्री समूहों को

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन दिवसीय दौरे के दौरान हर टीम को एक जिले में कम से कम 24 घंटे रहना होगा। टीम का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ मंत्री को कम से कम दो जिलों का दौरा करना है। शेष मंत्री सुविधा के अनुसार एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी जाएगी। मंत्री समूह मंडल के दौरे के दौरान बैठकों में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल करेंगे। पूर्व जनप्रतिनिधियों, भाजपा के पदाधिकारियों और विचार परिवार के संगठनों से भी संपर्क कर फीडबैक लेंगे। कानून-व्यवस्था व सरकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। जन चौपाल लगाकर जनता की समस्याएं सुनेंगे। जिले की जनता से सीधा संवाद करेंगे।

जनता का विश्वास ही भाजपा की ताकत : पंकज सिंह

» भाजपा में सभी धर्म और पंत की विचाराधारा का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष व नोएडा विधायक पंकज सिंह ने आगरा में कहा कि भाजपा ने हमेशा देश के सभी धर्म व पंत की विचाराधारा का सम्मान किया है। मूल चिंतन राष्ट्रवाद से प्रेरित है। बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक वर्ग के हितों की रक्षा भाजपा की प्राथमिकता है। पंकज सिंह आगरा में महानगर इकाई के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

फतेहाबाद रोड स्थित होटल में आयोजित शिविर में उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही भाजपा की ताकत है। प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि 2014 में भाजपा का स्वर्ण युग आरंभ हुआ है। सबका विकास सबका साथ का

नारा परिवर्तनकारी सिद्ध हुआ। पूर्व प्रदेश महामंत्री केशो मेहरा ने कहा कि भाजपा अनेकता की धारा को एकता के सूत्र में पिराने का काम करती है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष रजनीकांत माहेश्वरी, मेयर नवीन जैन, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. धर्मपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष भानू आदि मौजूद रहे।

आजमगढ़ से निरहुआ हो सकते हैं बीजेपी कैंडिडेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा आजमगढ़ लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद उपचुनाव होना तय है। वहीं इस उपचुनाव में भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ भाजपा प्रत्याशी हो सकते हैं। इसकी वजह है कि इन दिनों उनकी आजमगढ़ में सक्रियता बढ़ गई है। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव में निरहुआ ने भाजपा के कई कैंडिडेट के लिए प्रचार किया था। बहरहाल, भोजपुरी स्टार और भाजपा नेता ने दिनेश लाल यादव निरहुआ ने आजमगढ़ के दौरे पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर बोला हमला है। उन्होंने कहा हमने 2019 में चुनाव के समय कहा था कि सिर्फ अखिलेश यादव कहते थे आजमगढ़ और इटावा मेरा घर है, लेकिन वह अपने निजी स्वार्थ के लिए कभी भी आजमगढ़ को छोड़ सकते हैं, अब ऐसा ही हुआ है। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव में मैनपुरी की करहल सीट से जीतने के बाद सपा प्रमुख ने सांसद पद छोड़ दिया है। निरहुआ ने कहा कि हम लगातार आजमगढ़ के दौरे पर हैं और यहां से जुड़ी समस्याओं को जिलाधिकारी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराते हैं। साथ ही कहा कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अगर मुझे प्रत्याशी बनाया गया तो मैं चुनाव जरूर लड़ूंगा।

हमारी विदेश नीति में भी दिखने लगा सनातनी रंग : सिद्धार्थनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी के पूर्व मंत्री व प्रयागराज के विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि प्रत्येक पार्टी की अपनी विचारधारा होती है लेकिन भाजपा के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। यही वजह है कि जो काम कांग्रेस ने 70 वर्ष में नहीं किया, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने कर दिखाया। इन्हीं कार्यों में कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना भी शामिल है।

अब सनातन संस्कृति का समावेश हमारी विदेश नीति में भी दिखने लगा है। यूपी के पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह भाजपा यमुनापार इकाई के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। यमुनापार में गौहनिया के जीपीएस महाविद्यालय में कुल 15 सत्र चले। शिविर में भाजपा की रीति-नीति पर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्र और प्रदेश

सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया गया। शिविर के पहले सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती व किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रमेश पांडेय ने किसानों के हित में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। इलाहाबाद सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी ने भी विचार रखा। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से पूरी दुनिया में देश का वर्चस्व बढ़ा है।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

सुप्रीम कोर्ट से यूपी सरकार को राहत, एक मुकदमे पर भी लग सकता है गैंगस्टर एक्ट

» गैंगस्टर एक्ट के खिलाफ दायर याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी गैंगस्टर एक्ट के खिलाफ दायर याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के द्वारा किया गया हो या गिरोह द्वारा, या फिर पहली बार भी किसी अपराध में संलिप्त पाए जाने पर उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। कोर्ट ने यूपी सरकार को बड़ी राहत देते हुए कहा कि भले ही केवल एक अपराध, प्राथमिकी, आरोप पत्र दायर किया गया हो।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आरोपी-अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि केवल एक प्राथमिकी/आरोपपत्र के आधार पर और वह भी एक हत्या के संबंध में, अपीलकर्ता को 'गैंगस्टर' और/या 'गिरोह' का सदस्य नहीं कहा जा सकता है। दूसरी तरफ इस याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की तरफ से दलील दी गई कि एक भी प्राथमिकी/आरोप पत्र के मामले में गैंगस्टर अधिनियम की धारा 2 (बी) में उल्लेखित असामाजिक गतिविधियों के संबंध में, गैंगस्टर अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद जस्टिस एमआर शाह और बीवी नागरत्ना की खंडपीठ ने महिला आरोपी द्वारा दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम और गुजरात आतंकवाद नियंत्रण और संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम की तरह यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत ऐसा कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीआरपीसी की धारा 482 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए गैंगस्टर अधिनियम, 1986 की धारा 2/3 के तहत सुनाए गए फैसले को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मामले में मुख्य आरोपी पीसी शर्मा, एक गिरोह का नेता और मास्टरमाइंड था

विधायक सपा से हैं, फिर अचानक अन्य दलों के चहेते कैसे बन गए आजम खां?

फाइल फोटो

आजम खां ने सपा से दूरी के दिए संकेत

एक दिन पूर्व सपा विधायक और पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा भी आजम खान से मिलने सीतापुर जेल में आए थे लेकिन उनसे नहीं मिल पाए थे। कहा जा रहा है कि आजम ने उनसे मिलने से इंकार कर दिया। हालांकि रविदास का कहना है कि जेल प्रशासन ने उन्हें आजम से मिलने नहीं दिया। केवल एक वहीं हैं जिनसे आजम की मुलाकात नहीं हो पाई। बाकी सभी दलों के लोगों के साथ वह आराम से मिले। कहा यह जा रहा है कि आजम ने जानबूझकर सपा को झटका दिया है और वह पूरी तरह से यह जताना चाह रहे हैं कि वह सपा से नाखुश हैं। इस स्थिति से चर्चाएं शुरू हो गई कि आजम सपा का दामन भी छोड़ सकते हैं।

- यूपी चुनाव के बाद सपा और अखिलेश से नाराज हैं आजम खां
- आजम खां के मीडिया प्रभारी शानू के बयान से शुरू हुई राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीतापुर की जेल इन दिनों सियासी हलचलों के कारण सुर्खियों में है। सियासत ने ऐसी अंगड़ाई ली कि यहां आजम खां से मिलने वाले दिग्गज नेताओं की फेहरिस्त लंबी हो गई। प्रसपा संस्थापक व सपा विधायक शिवपाल यादव, कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम, रालोद प्रमुख चौधरी जयंत सिंह का सीतापुर जेल में बंद आजम खां के परिवार से मुलाकात को एक तरह से समाजवादी पार्टी पर निशाना माना जा रहा है। शुरुआत आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली शानू के उस बयान से शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि सपा ने आजम खां के लिए एक प्रदर्शन तक नहीं किया।

प्रसपा संस्थापक व सपा विधायक शिवपाल यादव ने भी मुलाकात के बाद कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। सपा ने कोई आंदोलन नहीं छेड़ा जबकि मुलायम सिंह यादव का देश के प्रधानमंत्री मोदी बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बाबत सीएम से बात करेंगे। हालांकि अखिलेश यादव से कड़वाहट के बीच शिवपाल की आजम से काफी देर तक हुई मुलाकात ने नए समीकरणों की तरफ इशारा किया। रालोद प्रमुख चौधरी जयंत सिंह ने आजम के परिवार से मुलाकात की। वहीं, कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने आजम खां से मुलाकात के बाद कहा कि उनके जैसे वरिष्ठ नेता को छोटे-छोटे मामलों में जेल में रखना उत्पीड़न करने और गंभीर अत्याचार के समान है। उन्होंने कहा कि वे अपने दोस्त ने मिलने आए हैं। यही नहीं, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम भी आजम को उनकी पार्टी में शामिल होने का ऑफर दे चुकी है। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम से उनके घर पर जाकर मुलाकात कर चुके हैं। वहीं पश्चिमी यूपी के मुस्लिमों में आजम की स्वीकार्यता रालोद के साथ भविष्य में भी बेहतर तालमेल करा सकती है। औवेसी उनके जरिए अपनी मुस्लिम राजनीति को और चमकाना चाहते हैं। चंद्रशेखर भी उनके सहारे वेस्ट यूपी में दलित मुस्लिम के नए गठजोड़ का आधार ढूंढ रहे हैं। उधर भले ही बसपा से कोई नेता अभी आजम से न मिला हो पर बसपा भी इस पूरे प्रकरण पर पैनी निगाह लगाए हुए है।

सबका निशाना बस एक समाजवादी पार्टी

दरअसल कई राजनीतिक पार्टियों ने बस एक ही संदेश देने की कोशिश की है कि सपा अब भाजपा को रोकने में सक्षम नहीं है। इस बार विधानसभा चुनाव में मुस्लिमों ने पुरजोर ताकत लगाई और सपा का साथ दिया पर बात नहीं बनी। कांग्रेस भी यही मुस्लिमों को समझाना चाह रही है। प्रमोद कृष्णम ने सीधे कहा कि सपा नेतृत्व भाजपा से लड़ने में सक्षम नहीं है और उसके नेताओं को इसके बारे में सोचने की जरूरत है। उधर प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने सपा के मुस्लिम विधायकों से आह्वान किया कि वे आजम खां के नेतृत्व में अलग पार्टी बनाएं

फाइल फोटो

सबके अपने-अपने गणित

आजम खां से मुलाकात को लेकर सभी दलों के अपने अपने गणित हैं। शिवपाल यादव का गणित साफ है कि यदि वह आजम खां को अपने साथ ले लेते हैं तो अखिलेश को बड़ा झटका देंगे। आजम मुस्लिमों का बड़ा चेहरा हैं। यही कांग्रेस थिंक टैंक भी सोच रहा है। यदि आजम साथ आ गए तो मुस्लिमों में इसका बड़ा संदेश जाएगा और कांग्रेस का पुराना वोटर मुस्लिम वर्ग फिर से उसके साथ आ सकता है। हालांकि जयंत गठबंधन धर्म निभाने गए थे पर सवाल यही है कि इस समय क्यों? उनके परिवार से जयंत की मुलाकात के सियासी मायने है।

18वीं विधानसभा में अब सभी माननीयों के पास होगी अपनी सीट

- पहली बार बदला हुआ नजर आएगा सदन
- विधानसभा में सीटें 379 से बढ़कर 404 हुईं
- 25 सीटें बढ़ने से सदन में गैरहाजिर नहीं रहेंगे विधानसभा सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 18वीं विधानसभा में सदन बदला-बदला नजर आएगा। तमाम लोगों को शायद यह पता न हो कि विधानसभा के लिए जितने सदस्य निर्वाचित होते रहे हैं, सदन में उतने सदस्यों को बैठने के लिए भी सीट नहीं थीं। अब 18वीं विधानसभा की पहली बैठक से सभी सदस्यों की अपनी तय सीट होगी। इसके लिए सदन में सीटों को बढ़ाने का काम तेजी से चल रहा है। इसी तरह 'ई-विधान' व्यवस्था लागू कर सदन कई अन्य नई पहल की ओर कदम बढ़ाने जा रहा है।

प्रश्नकाल में अधिकाधिक सवालों का जवाब दिलाने की कोशिश

विधानसभा अध्यक्ष सदन में ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों का जवाब दिलाने का रास्ता निकालने पर विचार कर रहे हैं। महाना ने बताया कि प्रश्नकाल में कुछ प्रश्नों पर अनुपूरक इतने अधिक हो जाते हैं कि तमाम अन्य प्रश्नों के जवाब के लिए समय नहीं बचता है। इससे दूसरे सदस्यों के अधिकारों पर असर पड़ता है। इसके लिए सभी दलीय नेताओं से चर्चा कर प्रश्नों पर अनुपूरक सवाल की संख्या तय करने के विकल्प पर विचार किया जाएगा। कोई व्यवस्था सदस्यों की सहमति से ही लागू होगी।

विधानसभा सदन में 403 विधायकों और एक महाधिवक्ता को मिलाकर कुल 404 सीटों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा विधान परिषद सदस्य के रूप में मंत्रिमंडल में शामिल मंत्री भी विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने व प्रश्नों का जवाब देने के लिए उपस्थित होते हैं। इनके लिए भी विधानसभा में अतिरिक्त सीटों की आवश्यकता होती है। ऐसे में सदन में नियमित तौर पर 404 से अधिक सदस्यों के बैठने के लिए सीटों की व्यवस्था होनी चाहिए। मगर अभी तक सिर्फ 379 सदस्यों के ही बैठने की व्यवस्था रही है। पर्याप्त सीट न होने से विधायकों का स्थान भी निश्चित नहीं था। इससे दलीय व्यवस्था में निर्धारित सीटों में जो सदस्य जहां स्थान पाता था, बैठ जाता था। बैठकों के दौरान तमाम सदस्यों की अनुपस्थिति की वजह से यह व्यवस्था चलती आ रही थी। यही व्यवस्था तब भी थी जब उत्तराखंड गठन के पूर्व विधानसभा सदस्यों की संख्या 425 हुआ करती थी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इस समस्या के स्थायी समाधान की पहल की है। विधानसभा की सीटें बढ़ाई जा रही हैं। महाना ने बताया कि विधानसभा में 25 सीटें बढ़ाने का काम पूरा हो गया है। अब विधानसभा में सीटों की संख्या 379 से बढ़कर 404 हो गई हैं। यह सभी 403 निर्वाचित सदस्यों व महाधिवक्ता के लिए आवश्यक 404 सीटों के बराबर है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रत्येक सदस्य की सीट सुनिश्चित करने का रास्ता बन गया है। गौरतलब है कि विधानसभा की आगामी बैठक में सदन में प्रत्येक सदस्य का स्थान सुनिश्चित होगा। साथ ही प्रत्येक सदस्य की सीट पर टैबलेट फिक्स किए जाने का प्रयास है। इस पर सदन व सदस्य से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध होगी। सदस्यों के सवालों का जवाब भी इस पर उपलब्ध होगा। यह पेपरलेस सदन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि विधानसभा को पेपरलेस करने की कार्यवाही लोकसभा की तर्ज पर की जा रही है।

एमएलसी से मंत्री बनने वालों के लिए भी बढ़ेंगी कुछ सीटें

विधान परिषद वाले मंत्रियों के लिए भी कुछ सीटें बढ़ाने का प्रयास हो रहा है। 10-12 सीटें बढ़ाने की योजना है। ऐसे में सदन में कुल सीटों की संख्या 410-412 तक हो सकती है। वर्तमान में विधान परिषद के 9 सदस्य प्रदेश मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं, जबकि पांच किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इन पांच को भी आगे परिषद के जरिए आना तय माना जा रहा है।

वरिष्ठता के अनुसार विधायकों को सीट तय करने की तैयारी

विधानसभा सदन में प्रत्येक विधायक की सीट तय करने की पहल में विधायकों को उनकी वरिष्ठता के अनुसार सीट तय करने का भी प्रस्ताव है। विधानसभा अध्यक्ष महाना ने बताया कि सभी दलों से वरिष्ठ सदस्यों का नाम मांगा जाएगा। उसी के अनुसार सीट तय की जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इच्छाशक्ति दिखानी होगी तो ही स्मार्ट शहर का सपना होगा पूरा

"तमाम दावों के बावजूद यूपी के अधिकांश शहर आज भी अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। जाम, गंदगी, अतिक्रमण, खस्ता हाल सड़कें और प्रदूषित पेयजल शहरों की स्थायी पहचान बन गए हैं। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इन समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो सका।

तमाम दावों के बावजूद यूपी के अधिकांश शहर आज भी अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। जाम, गंदगी, अतिक्रमण, खस्ता हाल सड़कें और प्रदूषित पेयजल शहरों की स्थायी पहचान बन गए हैं। कई सरकारें आईं और गईं लेकिन इन समस्याओं का समाधान आज तक नहीं हो सका। शहरों को सुव्यवस्थित करने के लिए गठित नगर निगम और नगरपालिकाएं शो पीस और भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर रह गयी हैं। सरकार भी कागजों पर निर्देश-आदेश का खेल खेलती है और नतीजा ढाक के तीन पात निकलता है। सवाल यह है कि विकास के प्रतीक शहरों की हालत खस्ता क्यों हो रही है? टैक्स देने के बाद भी शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध क्यों नहीं हो पा रही हैं? नगर निगम और नगरपालिकाएं क्या कर रही हैं? शहरों के विकास और रखरखाव के नाम पर हर साल आवंटित होने वाला अरबों का बजट कहां खर्च हो रहा है? क्या सियासत ने इन संस्थाओं को औचित्यहीन बना दिया है? क्या बढ़ते जनघनत्व ने शहरों का दम घोंट दिया है? क्या तमाम समस्याओं से जूझते शहर ऐसे ही स्मार्ट बनेंगे? क्या अव्यवस्थित शहर प्रदेश के विकास को रफ्तार दे सकेंगे?

आजाद भारत ने शहरों को विकास मॉडल के रूप में स्वीकार किया। ये शहर आर्थिक गतिविधियों को केंद्र बन गये और इसने गांव की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। लिहाजा ग्रामीण क्षेत्रों से रोजी रोटी की तलाश में भारी संख्या में लोग शहरों में पहुंचने लगे। इसने शहर के संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ डाला और पहले से खराब हालात और भी बदतर हो गए। भले ही शहरों के रखरखाव और विकास के लिए नगर निगम और नगरपालिकाओं का गठन किया गया लेकिन ये जिम्मेदारी उठाने में नाकाम रहीं। मसलन, नगर निगम के बावजूद प्रदेश की राजधानी लखनऊ की पहचान गंदगी, खस्ता हाल सड़कें, जाम और अतिक्रमण बन गयी। विभिन्न टैक्स देने के बावजूद यहां के अधिकांश लोगों को आज भी स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य फैला रहता है। अधिकांश चौराहों पर जाम लगा रहता है। यह सब तब है जब शहर की साफ-सफाई के लिए निगम के पास सफाईकर्मियों का अमला है और हर साल भारी बजट आवंटित किया जाता है। बारिश में अधिकांश सड़कों पर पानी भर जाता है और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए जरूरी व्यवस्थाएं तक नहीं की जाती हैं। जब राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जाहिर है यदि सरकार शहरों को व्यवस्थित करना चाहती है तो उसे मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी। अन्यथा स्मार्ट शहर केवल सपना ही रहेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस को जमीन से जुड़ना होगा

प्रभु चावला

गांधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस फिर से खड़ा होने के लिए बैसाखी खोज रही है। लगातार हारों, घटती लोकप्रियता और असंगति से ग्रस्त यह पार्टी बाहर अपने उद्धारक तलाश रही है। अपने काडर और भरोसेमंद नेताओं पर भरोसा करने की बजाय गांधी परिवार सभी पार्टियों के सर्वेक्षक रहे भ्रमणकारी प्रशांत किशोर के पीछे पड़ा हुआ है, जिनकी महत्वाकांक्षा ने करोड़ों रुपये का चुनावी प्रबंधन कारोबार खड़ा कर दिया है. पिछले सप्ताह गांधी परिवार ने प्रशांत किशोर को वरिष्ठ नेताओं के समक्ष उत्साही सुपरमैन की तरह प्रस्तुत किया। किशोर ने विस्तार से नयी कांग्रेस और उसके भविष्य के लिए अपने विचार रखे और छह घंटों से भी अधिक समय तक वरिष्ठ नेताओं को उन्हें सुनना पड़ा. ऐसे लोगों की स्तुति करनी चाहिए, जो भारी खर्च कर अपने काडर की जगह लैपटॉप व स्मार्टफोन लिए लोगों को लाते हैं।

प्रशांत किशोर चतुर कॉपीराइटरों और ग्राफिक डिजाइनरों का उपयोग करते हैं, जो आकर्षक स्लाइड और नारों से श्रोताओं को मोहित करते हैं। इससे वे उस्ताद रणनीतिकार प्रतीत होने लगते हैं। किशोर को नरेंद्र मोदी ने तब किनारे कर दिया था, जब उन्होंने दावा किया कि उनकी कंपनी की वजह से मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता बने। उन्होंने चालाकी से मीडिया का इस्तेमाल कर यह संदेश प्रसारित कराया कि मोदी ने उनकी रणनीति के कारण पहले बिहार जीता और फिर देश। लेकिन सच यह है कि 2014 के बाद की प्रधानमंत्री की सफलताओं में किशोर का कोई योगदान नहीं है, जिन्हें एक संसाधन के रूप में उपयोग कर मोदी ने चलता कर दिया था. उसके बाद किशोर ने चुनावी प्रबंधन की अपनी विशेषज्ञता को विभिन्न क्षेत्रीय दलों को बेचा। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी में मोदी जैसी राजनीतिक समझ नहीं है। तीनों गांधी यह आराम से भूल गए कि 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव में राहुल को आगे कर पाने में प्रशांत किशोर बुरी तरह असफल रहे थे। किशोर एक अनुभवी विक्रेता हैं। वे सुभीते से निशाना बदल लेते हैं। खबरों के अनुसार, उन्होंने किसी भी तरह कांग्रेस में आने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। जिस व्यक्ति ने गांधी मुक्त मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, उसने गांधी परिवार का फिर भरोसा जीत लिया। पिछले साल वे किसी गैर गांधी को पार्टी प्रमुख बनाना चाहते थे। कांग्रेसी सूत्रों के अनुसार, किशोर ने अपनी पहली स्लाइड में ही प्रियंका गांधी को नया अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा। उनकी दूसरी सलाह थी कि

राहुल गांधी को मोदी के विकल्प के रूप में आगे बढ़ाया जाए। कई नेता किशोर की परिकल्पना से परेशान हुए और एक ने तो उनके पूर्वानुमान को चुनौती भी दे दी। ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, केसीआर और चंद्रबाबू नायडू के साथ गठबंधन पर प्रशांत किशोर का जोर साफ तौर पर उनके अपने आर्थिक हितों को साधने के लिए है। केसीआर ने आगामी विधानसभा चुनाव पर किशोर की राय मांगी है। तेलंगाना कांग्रेस का कहना है कि इसके लिए किशोर से मोटी रकम का वादा किया गया है। इस राज्य में कांग्रेस में क्षमता बची हुई है तथा वह राज्य में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। बिहार और झारखंड में कांग्रेस के अकेले लड़ने का किशोर का प्रस्ताव लालू यादव और कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश हो सकती है। राजद प्रमुख बीते दो दशकों से गांधी परिवार के मजबूत समर्थक हैं। प्रशांत किशोर सचमुच अनूठे हैं। वे विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हैं और कई पार्टियों से जुड़े रहते हैं। वाणिज्य उनका एकमात्र लक्ष्य होता है, पर उन्हें यह निराशाजनक अहसास भी हुआ कि वे केवल अपनी नजर में विशालकाय हैं, लेकिन पार्टियों के लिए वे एक अपवित्र होलोग्राम हैं। नेताओं ने उन्हें उनकी कल्पना से कहीं अधिक धनी बना दिया, लेकिन उन्हें राजनीतिक पहचान नहीं दी। उन्हें जानने वाले बताते हैं कि करोड़ों कमाने के बाद किशोर एक राष्ट्रीय भूमिका की तलाश में हैं, पर यह देख हमेशा अचरज होता है कि कैसे अनुभवी नेता प्रशांत किशोर की भ्रामक चमक में फंस जाते हैं। उन्होंने शायद ही किसी हारते हुए को विजेता बनाया है। वे यह कहानी फैलाते हैं कि वे नहीं होते, तो मोदी, ममता, अमरिंदर, स्टालिन, नीतीश, जगन और शिव सेना हार जाते। दस साल की इनकम्बेंसी और भ्रष्टाचार के बाद अकालियों को हारना ही था। तब कांग्रेस ही विकल्प थी।

अमरिंदर के नेतृत्व में कांग्रेस जीती, पर उसका श्रेय प्रशांत किशोर ले गए, फिर किशोर केजरीवाल से जुड़े, जो पंजाब में बहुत आगे थे, पर किशोर को उत्तर प्रदेश में शर्मनाक हार देखनी पड़ी. बिहार में नीतीश कुमार, राजद और कांग्रेस के महागठबंधन की जीत का भी श्रेय किशोर ने लिया। वे जदयू में बतौर उपाध्यक्ष शामिल भी हुए, पर हावी होने और घमंड के कारण उन्हें निकाल दिया गया, पर अन्य राज्यों में उन्हें जगहें मिलीं, जहां उन पार्टियों की जीत तय थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस की आंतरिक राजनीति में दखल न देने की चेतावनी मिली थी। बंगाल चुनाव के बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि अब वे यह सब छोड़ देना चाहते हैं, क्योंकि वे असफल नेता हैं और वे कुछ और करना चाहते हैं, जैसे असम में चाय का बागान लगाना। प्रशांत किशोर स्वयं को न केवल कांग्रेस के उद्धारक के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं, बल्कि राष्ट्रीय भूमिका भी हासिल करना चाहते हैं।

भारत के समक्ष सैन्य चुनौतियां

सी उदय भास्कर

थल सेना के कमांडरों की अर्द्धवार्षिक बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन से थल सेना की मुख्य संरचनात्मक चुनौतियों की कुछ समझ मिलती है। रक्षा मंत्री द्वारा रेखांकित बिंदुओं की प्रासंगिकता तीनों सशस्त्र सेनाओं के लिए है, इसलिए इस बैठक की चर्चा व्यापक राष्ट्रीय रक्षा नीतियों को प्रभावित करेगी। थल सेना में दस लाख से अधिक सैनिक हैं तथा इसकी तुलना में वायु सेना और नौसेना का आकार बहुत छोटा है। यह अर्द्धवार्षिक बैठक इस संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है कि इस महीने के अंत में वर्तमान थल सेना प्रमुख जेनरल एमएम नरवने सेवानिवृत्त हो रहे हैं और एक मई को लेफ्टिनेंट जेनरल मनोज पांडे पदभार संभालेंगे। वे पहले सैन्य इंजीनियर होंगे, जो भारतीय थल सेना का नेतृत्व करेंगे। अब तक सभी सैन्य प्रमुख इंफेंट्री, कैवेलरी या आर्टिलरी से होते रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति की घोषणा होने की अपेक्षा भी है। बीते दिसंबर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जेनरल बिपिन रावत की त्रासद मृत्यु के बाद से यह पद रिक्त है। भारत के रक्षा प्रबंधन में यह एक खालीपन है, क्योंकि जेनरल रावत भारत के पहले एकीकृत कमान की स्थापना में लगे हुए थे। माना जा रहा है कि जेनरल नरवने देश के दूसरे सीडीएस होंगे, पर अभी इसकी घोषणा बाकी है। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति और सेना के सामने उपस्थित चुनौतियों की समीक्षा करते हुए रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि च्मिश्रित युद्ध समेत अपरंपरागत और विषम लड़ाई भविष्य के परंपरागत युद्धों का हिस्सा होगी। साइबर, सूचना, संचार, व्यापार एवं वित्त भी भविष्य के संघर्षों के अभिन्न भाग हो चुके हैं। ऐसे में सशस्त्र सेनाओं को योजनाएं और रणनीतियां बनाते समय इन सभी आयामों का संज्ञान लेना होगा। आज अनेक चुनौतियां देश के रक्षा नेतृत्व के सामने हैं, जिनमें प्रमुख हैं- कोविड महामारी और अर्थव्यवस्था पर उसके असर के संदर्भ में रक्षा आवंटन, यूक्रेन में युद्ध से रूस से होनेवाली सैन्य आपूर्ति में बाधा, सेना की युद्ध क्षमता में आत्मनिर्भरता पर जोर देने का असर तथा चीन का उदय और लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसका अतिक्रमण। हालांकि प्रेस विज्ञप्ति में चीन का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन देश की च्उत्तरी सीमाओंज् के संदर्भ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी उल्लिखित है, जो इस प्रकार है- उत्तरी सीमाओं पर वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करते हुए रक्षा मंत्री ने पूरा भरोसा जताया कि हमारी टुकड़ियां मुस्तैदी से जुटी हुई हैं, शांतिपूर्ण समाधान के लिए चल रही वार्ताएं जारी रहेंगी तथा तनातनी समाप्त करना और सैनिकों को पीछे हटाना ही उपाय हैं। जून, 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति के बारे में कोई विवरण सरकार की ओर से जारी नहीं किया है तथा देश को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि यह मामला एक जटिल व विवादित विषय है, लेकिन नियंत्रण में है. सीमा पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। कई दौर की वार्ताओं के बावजूद चीनी सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा/पैंगोंग झील से पीछे नहीं हटी है, जिसका उसने अतिक्रमण किया है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय सेना दावेदारी की सीमा तक गश्त नहीं लगा पा रही है, जैसा कि वह गलवान की घटना से पहले किया करती थी। प्रारंभ में उल्लिखित संरचनात्मक चुनौतियों को देखते हुए सेना के लिए सबसे अहम पहलू है अपनी युद्ध क्षमता को अधिकाधिक स्तर तक बनाये रखना। सेना को आधुनिकीकरण और आयुध खरीद की प्रक्रिया को लगातार जारी रखने की जरूरत है। इस संबंध में खामियों को मई, 2016 में खंडूरी संसदीय समिति ने रेखांकित करते हुए कहा था- हम चिंता के साथ यह उल्लेख कर रहे हैं कि सेना व्यापक तौर पर पुराने साजो-सामान का इस्तेमाल कर रही है। साथ ही, वाहनों, छोटे हथियारों, इंफेंट्री के लिए विशेष हथियारों, निगरानी के लिए जरूरी सामानों, संचार उपकरणों, राडारों, बिजली के उपकरण और जेनरेटरों आदि की कमी है। चूंकि रक्षा बजट में पूंजी खर्च के लिए आवंटन (इससे हथियारों की खरीद होती है) में धीरे-धीरे कमी हो रही है, तो सेना अपनी युद्धक क्षमता के लिए भंडारित साजो-सामान पर निर्भर है, जो जल्दी ही अनुपयोगी हो जायेंगे। ऐसा नहीं लगता है कि इस कमी को पूरा करने पर समुचित ध्यान दिया गया है। नयी खरीद और आधुनिकीकरण के लिए सीमित आवंटन की चुनौती रूस से आपूर्ति बाधित होने से अधिक गंभीर हो गयी है। किसी भी सेना के लिए कल-पूर्जे और अपग्रेड बहुत अहम होते हैं। अब रूस वैसा भरोसेमंद आपूर्ति करनेवाला देश नहीं रहा, जो वह पहले हुआ करता था। यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और अन्य देशों द्वारा रूस पर लगाये गये प्रतिबंधों से भारत के लिए लेन-देन करना और अधिक मुश्किल हो जायेगा. स्थानीय स्तर पर साजो-सामान बनाने पर जोर इससे जुड़ा हुआ है। इस संबंध में रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया है कि च्आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के तहत सेना द्वारा 2021-22 में 40 हजार करोड़ रुपये के ठेके भारतीयों को दिये गये हैं, जो प्रशंसनीय है.ज् बहरहाल, सेना की युद्ध क्षमता पर इन सभी चुनौतियों के असर का समुचित आकलन करने की आवश्यकता है। जब एक मई को जेनरल पांडे कमान संभालेंगे, तो उनके सामने मुश्किल भरा काम होगा।

इन खास बातों का रखेंगे ध्यान तो बढ़ती उम्र में भी दिखेंगे युवा

शालीनता के साथ बूढ़े होने और दिखने का अपना चार्म होता है। महिलाओं के मामलों में ऐसा देखा जाता है कि वे कुछ ही वर्षों के दौरान बहुत अधिक बूढ़ी, दिखने लगती हैं। लेकिन, ऐसा भी होता है कि कुछ महिलाएं दूसरी महिलाओं की तुलना में बेहतर दिखती हैं जबकि कई महिलाएं अपनी उम्र से भी ज्यादा की दिखने लगती हैं। हालांकि आप क्या कोई भी बूढ़े होने और दिखने से बच नहीं सकता है लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी होती हैं जो कि बुजुर्ग भी ग्रेसफुली होती हैं। इस स्थिति को पाने के लिए आपको कुछ कदम उठाने की जरूरत है। इस दिशा में सबसे पहली जरूरत है कि आप इलैस्टिक वेस्टबैंड्स यानी आधुनिक लेकिन आरामदायक ड्रेसेस को अपनाएं। आपको कैजुअल और फार्मल वियर को अपनाना होगा जो कि आपको स्टाइलिश लुक देते हैं। जब आप बैठती हैं तो यह नितम्बों को अधिक फैला हुआ नहीं दिखाता जैसा कि जींस और टाइट सूट में होता है। इसके साथ ही अगर लम्बा कुर्ता और डिजाइनर लैगिंग्स पहनें तो आप और भी आकर्षक दिखेंगी।

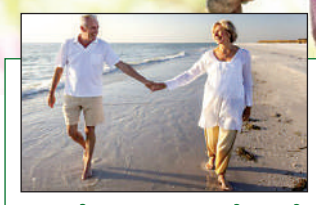

वक्त के साथ खुद को बदलें

बूढ़ा होना ऐसी बीमारी नहीं है जिसका कोई इलाज हो। हमें खुद में सबसे अच्छा दिखना और अनुभव करना है और इसका अर्थ यह नहीं है कि हम घड़ी की सुइयों को पीछे की ओर कर दें। हम सभी अपने-अपने जीन्स की उपज हैं और हमने शुरुआती दशकों में अपना जितना ध्यान रखा होगा, उसी के अनुरूप हमारा शरीर बन जाता है। बदलती लाइफ स्टाइल की अच्छी बातें स्वीकारें। खुश रहें, खुश दिखें। उम्र के किसी खास दौर में आप अगर खूब शिकायत करती हैं तो उम्र ढलने पर माफ करना और मुस्कुराना सीखें।

पुराना मेकअप

कपड़ों की तरह से मेकअप स्टाइल भी बदलना जरूरी है। आपके मेकअप से आपकी उम्र का राज उजागर हो सकता है। ठीक वैसे ही पेड़ के तने पर बढ़ते वलयों की संख्या से उसकी उम्र का पता लग जाता है। लेकिन एकदम लेटेस्ट लुक अपनाने की बजाय पुराने और आजमाए हुए ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर ध्यान दें। इसलिए बेहतर होगा कि आप वैसा ही मेकअप करें जैसा कि पंद्रह वर्ष पहले करती थीं। यानी आप अपनी उम्र में से 15 वर्ष की कटौती करती नजर आएंगी, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि आप जितने भी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करें वो अच्छे होने चाहिए।

अपने आप को बूढ़ा न समझें

हम ऐसी बहुत सारी महिलाओं से मिलते हैं जो कि यह सोचकर अवसाद से घिर जाती हैं कि वे युवा नहीं रही हैं। यह बात इस पर ज्यादा निर्भर करता है कि हम अपने को कैसा अनुभव करते हैं, अपने आप को कैसा देखते हैं। अधिक उम्र की सबसे सुखी महिलाएं वे हैं जो कि पूरा जीवन जीती हैं, सक्रिय जीवन जीती हैं। अपने काम से खुद को व्यस्त रखें। याद रखिए आप उतने ही अधिक बूढ़े होते हैं जितने कि आप अपने आप को समझते हैं। हमारा मन हमें युवा रखता है। डॉक्टरों का कहना है कि मेनोपॉज की उम्र पार करने के बाद महिलाएं कम अवसाद की शिकार होती हैं और वे अपने जीवन, काम के बारे में बेहतर विचार रखती हैं।

नमक के साथ रिश्ता तोड़ें

नमक के कई नाम हैं और ये कई रूपों में हमारे जीवन में घुसपैठ करता है। जब इस ज्यादा मात्रा में लिया जाता है तो यह रक्तचाप के तौर पर सामने आता है। हमारे घुटने सूजने लगते हैं और आंखों के नीचे गड्ढे बनते हैं। निश्चित मात्रा में हमें नमक की भी जरूरत होती है। जो बहुत अधिक उम्र की नहीं हैं उन्हें अपनी नमक की खुराक पर ध्यान देना चाहिए। आप जितना कम नमक खाएंगी, उतना ही अच्छा महसूस करेंगी और स्मार्ट दिखाई देंगी।

हल्के-फुल्के व्यायाम ही करें

यह सभी जानते हैं कि बढ़ती उम्र के साथ हमारी पाचन क्रिया भी धीमी होती जाती है और इस कारण से बजन बढ़ने लगता है। कभी-कभी आप वे व्यायाम भी नहीं कर पाती हैं जो कि पहले कभी करती रही हों। घुटनों में दर्द होता है, पैर दुखने लगते हैं और ऐसी हालत में तैराकी सबसे अच्छा व्यायाम होता है। इसी तरह पैदल चलना भी अच्छा व्यायाम होता है और सुबह के समय घूमने के साथ ताजी हवा खाएं। इस समय आपका सबसे बड़ा मंत्र होना चाहिए कि व्यायाम पर रोक लगा लें, लेकिन वजन भी बहुत अधिक न बढ़ने दें। इसके लिए हल्के-फुल्के व्यायाम ही करें।

हंसना मना है

भिखारी: कुछ खाना दे दो। आंटी: अभी खाना बना नहीं है। भिखारी: ठीक है जब बन जाए तो मुझे फोन कर देना ये लो मेरा नंबर...आंटी बेहोश।

डॉक्टर ने मरीज को रोजाना 10 किलोमीटर चलने को कहा... सालभर बाद मरीज ने डॉक्टर को फोन किया। मरीज: सर रोज 10 किलोमीटर चलकर अमेरिका पहुंच गया हूं, यहीं रुक जाऊं या आगे रूस निकल जाऊं...

लड़की: मेरे होंठ कितने खराब हैं। डॉक्टर: प्लास्टिक सर्जरी करा लो। लड़की: कितने पैसे लगेंगे? डॉक्टर: छह लाख रुपए। लड़की: अगर प्लास्टिक मैं खुद ला दूं तो? डॉक्टर: फेविकॉल भी लेती आना फ्री में चिपका दूंगा।

मास्टर जी: आज तुमने लेट आने का क्या बहाना ढूंढा? स्टूडेंट: मैडम आज मैं इतना तेज दौड़कर आया कि बहाना सोचने का मौका ही नहीं मिला।

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी... एक लड़का बोला: चांद तो रात में निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली: अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल उठा।

दोस्त: नीरज कहां हो तुम? नीरज: होटल में हूं, बहुत तेज बहुत भूख लग रही थी है इसलिए यहां खाना खा रही हूं, तुम कहां हो? दोस्त: लंगर में... तुम्हारे पीछे लाइन में खड़ी हूं, खीर मेरे लिए भी ले लेना।

कहानी | छोटे हैं तो क्या हुआ

एक हाथी को अपनी शक्ति पर बड़ा घमंड था। छोटे जानवरों को वह अपने सामने बिलकुल कमजोर समझता था। वह धम-धम करके चलता था, जिससे आस-पास के छोटे प्राणी डर जाते थे। चलते समय वह यह भी नहीं देखता था कि पांव के नीचे क्या आ रहा है। कितने ही छोटे कीड़े और जानवर उसके पांव के नीचे पिचकर मर जाते थे। वह अकसर पानी पीने के लिए जंगल के पोखर पर आया करता था। फिर सूंड में पानी भरकर तेजी से उछलता था और जोर से चीखता था। उसकी धम-धम चाल से रोज कई मेढक उसके पांव के नीचे दबकर मर जाते थे। एक दिन एक बूढ़े और अनुभवी मेढक ने हाथी को प्यार से समझाया, अरे भाई, तुम रोज यहाँ पानी पीने आते हो और हमारे कई भाइयों को चोट पहुंचाते हो। तुम नीचे देखकर क्यों नहीं चलते? हम छोटे जरूर है लेकिन हमें भी चोट लगती है। हाथी ने चिंघाड़कर कहा-तुम जैसे कीड़े-मकौड़ों का ध्यान रखना मेरे बस की बात नहीं। तुम तो मेरे नाखून के बराबर हो। दो चार मर भी गए तो क्या फर्क पड़ता है? बेचारा बूढ़ा मेढक उस घमंडी हाथी से क्या कहता। वह चुप हो गया। उसने आस-पास के छोटे जानवरों से बात की। पास के एक बिल में कुछ चूहे रहते थे। मेढक ने चूहों से अपनी समस्या कही। एक चूहा बोला, वैसे तो हम सच में हाथी के नाखून के बराबर ही हैं। लेकिन हम सब मिल जाएं तो बड़े हाथी का मुकाबला भी कर सकते हैं। चूहे पोखर के आस-पास के मच्छरों को जानते थे। उन्होंने मच्छरों से बात की तो वे भी उनका साथ देने के लिए तैयार हो गए। सबने मिलकर एक सेना तैयार की। अगले दिन जब हाथी आया तो सब पहले से तैयार थे। जैसे ही हाथी ने अपनी सूंड नीचे की, एक चूहा उसकी सूंड से चिपक गया। हाथी चौंक गया। तभी दूसरा चूहा सूँड पर उछलकर सीधा आंखों तक पहुंच गया और काटने लगा। हाथी चिल्लाया और तभी मच्छरों की पूरी सेना उस पर टूट पड़ी। हाथी की समझ में नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। वह भागने लगा और मच्छर उसके साथ उसके पीछे-पीछे उड़े। वे तब तक उसे काटते रहे, जब तक कि हाथी गिर नहीं पड़ा। उस दिन के बाद वह कभी वहां नहीं आया। इस तरह छोटे-छोटे जानवरों ने मिलकर एक विशाल घमंडी हाथी को हरा दिया।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आप उस व्यक्ति से दोबारा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं, इस राशि के जातकों की उनके पुराने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। इस मुलाकात से आपकी पुरानी यादें ताजा होगीं।

वृषभ

आज ऐसा हो सकता है कि आप उनसे दोबारा जुड़ाव महसूस करें। लेकिन आज के दिन आपकी उनसे मुलाकात नहीं होगी। अपने साथी से वियोग के चलते दुखी हैं।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए रोमांस के लिहाज से काफी अच्छा है। इसके अलावा आज आप उस व्यक्ति से मिल सकते हैं जो आपके प्रति आकर्षित है।

कर्क

आपका अपने साथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। ऐसे में जरूरत होगी कि आप गैर-जरूरी बातों पर ध्यान ना दें। इसके साथ ही अपने साथी पर गुस्सा होने से बचें।

सिंह

आपके प्यार की राह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। ऐसे में आप खुद को अपने साथी के और करीब महसूस करेंगे। आपके परिवार वाले भी आपकी बात से सहमत होंगे।

कन्या

आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं। अपने साथी और दोस्तों के साथ कुछ समय व्यतीत करें।

तुला

आपकी व्यवसायिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपके लिए आय के नए स्त्रोत बनेंगे। आप एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केंद्र होंगे।

वृश्चिक

आज आपको अपने पार्टनर और परिवार के लोगों से भी प्यार मिलेगा। इसके चलते आज आप पूरे दिन प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। दिन का लुत्फ उठाएं।

धनु

आज कोई भी लेन-देन सावधानी से करें। एकतरफा प्यार आपको निराश कर सकता है। योजनाएं आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का जरिया साबित होंगी।

मकर

जल्दबाजी में फैसले न लें खासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक्त। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें।

कुम्भ

पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। कुछ लोगों के लिए-परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा।

मीन

आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकती है।

रोहित शेट्टी के 'फोर्स' में हुई विवेक ओबेरॉय की एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

अजय देवगन, अक्षय कुमार और रणवीर सिंह के बाद पिछले दिनों रोहित शेट्टी ने अपने कॉप यूनिवर्स से 2 और नए किरदार रिलीव किए थे, जिन्हें शिल्पा शेट्टी और सिद्धार्थ मल्होत्रा प्ले करेंगे। शिल्पा और सिद्धार्थ के बाद अब रोहित शेट्टी ने अपनी कॉप गैंग का एक सबसे बड़ा पत्ता खोला है। रोहित शेट्टी ने मंगलवार को अपनी अपकमिंग वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से विवेक ओबेरॉय का लुक रिवील किया है। विवेक का लुक देखकर ही फैंस क्रेजी हो गए हैं।

रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में विवेक ओबेरॉय सबसे अनुभवी और सबसे सीनियर ऑफिसर का रोल प्ले करते दिखाई पड़ेंगे। रोहित शेट्टी ने विवेक ओबेरॉय का लुक रिवील करते हुए लिखा- आपका स्वागत है विवेक। हालांकि देखना ये होगा कि क्या सीरीज में विवेक के किरदार का नाम विवेक ही होगा या फिर उन्हें कोई और नाम दिया जाएगा। क्योंकि रोहित ने अभी तक रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर की गई इंस्टाग्राम पोस्ट पर विवेक ओबेरॉय का लुक देखने के बाद फैंस क्रेजी हुए जा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, बॉलीवुड का सबसे अंडर रेटेड ग्रेट एक्टर आ गया। एक अन्य यूजर ने लिखा, येये अब इंतजार नहीं हो पाएगा। एक शख्स ने लिखा- उसने दम में कमाल का रोल किया था। उसे इस तरह वापसी करते देखना कमाल होगा।

विवेक ओबेरॉय के करियर का यू टर्न!

फर्स्ट लुक पोस्टर में विवेक ओबेरॉय हाथ में गन थामे काफी एग्रेसिव लुक में नजर आ रहे हैं। बता दें कि विवेक ओबेरॉय एक्शन फिल्में करने के लिए मशहूर रहे हैं। एक वक्त पर उनकी तुलना सलमान खान के साथ की जाती थी, लेकिन फिर दबंग खान के साथ झगड़े के बाद उनके करियर में अचानक से डाउन फॉल आया। अब रोहित शेट्टी द्वारा विवेक को हायर किए जाने को उनके करियर के सबसे बड़े यूटर्न के तौर पर देखा जा रहा है।

बॉलीवुड | मन की बात

कई हिंदी फिल्मों ने भी साउथ में अच्छा प्रदर्शन किया : अभिषेक

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई अभिषेक बच्चन अपनी फिल्म दसवीं को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में उन्होंने एक जाट राजनेता का किरदार निभाया है, जो एक भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी होने के चलते न्यायिक हिरासत में पहुंच जाता है। अब उन्होंने पैन इंडिया फिल्म को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा, कि वो पैन इंडिया जैसे शब्द पर विश्वास नहीं करते। अभिषेक बच्चन ने कहा, हिंदी सिनेमा को मुख्य धारा के रूप में माना जाता है, क्योंकि ये भारत जैसे विविधता वाले देश में मनोरंजन करता है। बाकी और फिल्म इंडस्ट्री तमिल, तेलुगु, पंजाबी, बंगाली, मलयालम आदि को क्षेत्रीय सिनेमा के रूप में बाटा गया है। सभी फिल्म इंडस्ट्री में बेहद दिलचस्प फिल्में बनाई जाती हैं। उन्होंने आगे, आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाडी और अक्षय कुमार की फिल्म सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि, इन फिल्मों काफी अच्छा काम किया था। किसी भी फिल्म उद्योग को लेबल करना पूरी तरह से ठीक नहीं है। हिंदी या किसी भी भाषा में फिल्मों का हमेशा रीमेक बनाया जाता रहा है। ये कोई नई घटना नहीं है, ऐसा हर दौर में होता रहा है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। वहीं उन्होंने साउथ की फिल्मों के बारे में बात करते हुए कहा, फिल्म अच्छा है तो काम करेगी, अगर खराब है तो नहीं चलेगी। कई हिंदी फिल्मों ने भी साउथ में अच्छा प्रदर्शन किया है। ये कोई नई घटना नहीं है। हम एक बहुत ही परिवार का हिस्सा है, तो स्क्रिप्ट का आदान-प्रदान होना तय है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वो अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनने वाली फिल्म गुलाब जामुन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अभिनेता अपनी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ मुख्य किरदार निभा रहे हैं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में निर्माताओं ने आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। गुरु अभिनेता को आखिरी बार शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म बॉब में दिखाई दिए थे।

पैसे खर्च करने से पहले शाहिद कपूर लेते हैं पत्नी मीरा की परमिशन

शाहिद कपूर कमाल के एक्टर हैं ही लेकिन साथ ही साथ वह एक फैमिली मैन भी हैं। शूटिंग और फिल्मों से वक्त निकालकर वह हमेशा अपने परिवार के साथ वक्त बिताना पसंद करते हैं। शाहिद कपूर ने बताया कि शादी के बाद से खर्चे को लेकर उनकी आदतें बदल गई हैं। शाहिद कपूर ने एक इंटरव्यू में बताया कि क्योंकि उनकी शादी हो गई है, इसलिए वो अब सोच समझकर पैसे खर्च करते हैं। शाहिद कपूर ने बताया कि पैसे खर्च करने से पहले अब वह अपनी पत्नी मीरा कपूर की परमिशन भी लेते हैं। शाहिद कपूर इन दिनों अपनी फिल्म जर्सी के प्रमोशन में लगे हुए हैं। जर्सी का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन धीरे-धीरे बेहतर होता जा रहा है। कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में शाहिद कपूर ने अपनी मैरिड लाइफ के बारे में कई राज खोले। शाहिद कपूर ने बताया, पहले ऑल आउट हो जाता था मैं मगर अब नहीं। अब मैं एक फैमिली मैन हूं, मेरे बच्चे हैं, बीवी है। परमिशन लेनी पड़ती है। सोचना पड़ता है। शाहिद कपूर ने बताया कि हालांकि अभी भी मैं अपनी बॉयज ट्रिप के लिए परमिशन नहीं लेता हूं।क्योंकि वो मेरा अधिकार है। मुझे लगता है कि हर किसी को कुछ वक्त के अंतराल पर बॉयज ट्रिप का अधिकार है। बता दें कि शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी का निर्देशन गौतम टिन्नानुरी ने किया है। ये साल 2019 में रिलीज हुई साउथ की फिल्म का रीमेक है जिसे इसी टाइटल से रिलीज किया गया था। इसी इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी मीरा कपूर खाना बनाने में बहुत एक्सपर्ट हैं। शाहिद कपूर ने कहा, वह थाई फूड बहुत अच्छा बनाती है। वह कॉन्टिनेंटल भी बहुत अच्छा बनाती है। वह सैंडविच और सलाद बहुत कमाल का बनाती है। लेकिन शादी के इन सात सालों में, मैंने शायद 2 ही बार इनमें से हर एक चीज का मजा लिया है।

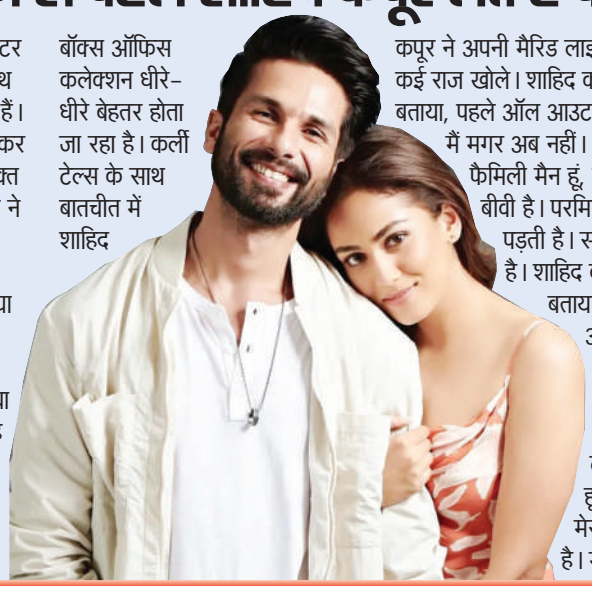

ये है दुनिया का सबसे खौफनाक और घातक आइलैंड, जहां जाने का मतलब है मौत

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो बहुत खौफनाक और घातक हैं। इन जगहों पर जाने से लोग डरते हैं। ऐसी ही एक जगह उज्बेकिस्तान में मौजूद है, जहां जाने का मतलब है मौत। यह जगह कभी जैविक हथियारों की टेस्टिंग का केन्द्र हुआ करती थी। अब यहां पर इंसानों का नामो-ओ-निशान तक नहीं है। यह जगह इंसानों के लिए बहुत खतरनाक है। जैविक हथियारों की टेस्टिंग की वजह से यह जगह बहुत खतरनाक बन गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1920 में सोवियत संघ ने ऐसी जगह की तलाश शुरू की, जहां खतरनाक हथियारों की टेस्टिंग की जा सके। दरअसल, यहां जैविक हथियारों की टेस्टिंग की जानी थी। इसी वजह से उन्हें लोगों से दूर एक वीरान जगह चाहिए थी। सोवियत संघ को यह जगह उज्बेकिस्तान के पास, एरल समुद्र में स्थित एक टापू पर मिली, जिसका नाम Vozrozhdeniya है। वर्ष 1948 में सोवियत संघ ने इस टापू पर जैविक हथियारों को बनाने और टेस्ट करने के लिए एक खुफिया लैब की स्थापना की। इस लैब को एरलसक-7 नाम दिया गया। इस लैब को वर्ष 1990 में बंद कर दिया गया। इस लैब को बंद करने से पहले यहां कई तरह की बीमारियों और जैविक हथियारों का प्रशिक्षण किया गया। इनमें से कई इंसानों के लिए जानलेवा भी थे। यहां प्लेग, एंथ्रैक्स, स्मॉलपॉक्स, ब्रूसेलॉसिस, तुलारेमिया, बॉट्यूलिनम, एंनसेफिलाइटिस आदि जैसी बीमारियों की टेस्टिंग यहां की जाती थी। ३एम्यूजिंग प्लैनेट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सोवियत आर्मी के रिटायर्ड कर्नल और माइक्रोबायोलॉजिस्ट गेनाडी लेपायोशकिन Gennadi Lepyoshkin ने द न्यूयॉर्क टाइम्स से इस टापू के बारे में कई जानकारियां दी थीं। उन्होंने बताया था कि वो यहां 18 सालों तक काम कर चुके थे। साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया था कि यहां बीमारियों की टेस्टिंग के लिए हर साल 200-300 बंदरों पर टेस्ट किया जाता थां इन बंदरों को पिंजड़े में एस जगह ले जाते थे जहां इन बीमारियों के कीटाणु पाए जाते थे। इसके बाद उन्हें लैब में ले जाकर खून की जांच होती थी।

अजब-गजब | कोलकाता में है 60 साल पुराना काली मंदिर

माता को लगता नूडल्स और फ्राइड राइस का भोग!

कोई भी पूजा-पाठ हो या फिर तीज-त्यौहार भगवान को लगने वाला भोग सबसे पवित्र और जरूरी माना जाता है। आमतौर पर ये मिठाई, दही, फल या कुछ खास पकवान होते हैं। आपने कभी भी चाइनीज खाने का भोग भगवान के मंदिर लगते हुए नहीं देखा होगा लेकिन हमारे देश में आस्था से ऊपर कुछ भी नहीं है। तभी तो बंगाल में एक ऐसा भी मंदिर है, जहां स्थापित काली माता को सिर्फ और सिर्फ चाइनीज खाने का ही भोग लगता है। सुनने में ये आपको अजीब लग रहा होगा क्योंकि चीन का काली माता से आखिर क्या रिश्ता हो सकता है? हलवा, लड्डू, राजभोग तक तो ठीक है, लेकिन नूडल्स, फ्राइड राइस और चॉप्सी का भोग आखिर क्यों लगाया जाता है? कोलकाता में चाइना टाउन नाम की जगह पर मौजूद इस मंदिर का ये रिवाज जितना अजीब है, उतनी ही दिलचस्प है इसके पीछे की कहानी, जो आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

काली माता को क्यों चढ़ता है चाइनीज खाना?

बंगाल की राजधानी कोलकाता में तांग्रा नाम की एक जगह है, जिसे चाइना टाउन भी कहा जाता है। दरअसल 1930 के दशक में चीन के गृहयुद्ध के दौरान लोग शरण लेकर रहने लगे थे। उन लोगों ने यहां पर खाने-पीने की चीजें बेचनी शुरू की और जन्म हुआ इंडो चाइनीज़ क्यूजीन का। इसी जगह पर काली माता का एक मंदिर है, जहां सुबह और शाम पूजा की जाती है। बस फर्क इतना है कि उन्हें लड्डू, हलवे और फल की जगह भोग चढ़ता है इंडो-चाइनीज खाने का। यहां आने वाले भक्त नूडल्स, चॉपसी और फ्राइड राइड चढ़ाते हैं और वही प्रसाद के तौर पर भी बंटता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मंदिर

World Of Kolkata नाम के फेसबुक पेज से इस मंदिर के बारे में साल 2018 में ही जानकारी दी गई थी और इसे ज़रूर देखे जाने वाली जगह बताया गया था। इसके अलावा tourmyindia.com नाम की वेबसाइट पर भी इस काली मंदिर के बारे में बताया गया है कि ये 60 साल पुराना है और हिंदू-चीनी संस्कृति के मेल का उदाहरण है। कुछ लोगों का ये भी कहना है कि यहां आए एक चाइनीज शख्स के बच्चे की तबीयत खराब थी और इस जगह पर मौजूद एक पेड़ के नीचे उसे लिटाने के बाद वो चमत्कारिक तौर पर ठीक हो गया। तब से काली माता का ये मंदिर यहां बना दिया गया। अब मंदिर बनने की वजह कुछ भी रही हो लेकिन ये अपनी अनोखी संस्कृति की वजह से मशहूर हो चुका है।

भाजपा राज में हर ओर फैल रही अराजकता : अखिलेश

» असंवैधानिक तरीके से ध्वस्त की जा रही संपत्तियां

» जन सामान्य को फंसाया जा रहा फर्जी मुकदमों में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता की ताकत का प्रयोग जनता की सेवा करने के बजाय असंवैधानिक तरीके से संपत्तियों को ध्वस्त करने में लगा रही है। दिल्ली की तरह उत्तर प्रदेश में भी गैरकानूनी कार्यवाही पर रोक लगनी चाहिए। समाजवादी पार्टी जनहित में आवाज उठाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अत्याचार की पराकाष्ठा पार कर रही है। बिना नोटिस घर उजाड़े जा रहे हैं। जनसामान्य को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है। जनता को तरह-तरह से परेशान किया जा रहा है। भाजपा सरकार के दो ही काम हैं एक जनता का बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाना और दूसरा नफरत तथा अफवाहों के सहारे समाज को बांटना है। भाजपा राज में समाज का हर वर्ग कराह रहा है। भाजपा सरकार ने शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं को तिलांजलि दे दी गई है। राज्य की जनता भीषण गर्मी से बिजली कटौती से लोग त्राहि-त्राहि करने लगी हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने मातृ संगठन आरएसएस का एजेंडा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा राज में समाज में सौहार्द के बजाय वैमनस्य बढ़ा है। गरीब और गरीब, अमीर और अमीर हो गया है। जनता की बढ़ती तकलीफों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। हर तरफ अराजकता और अव्यवस्था का बोलबाला है। लोकतांत्रिक मूल्यों का बुरी तरह अवमूल्यन हो रहा है, बेरोजगारी, बढ़ती कीमतों पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने की कोशिश की जा रही है।

सपा का प्रतिनिधिमंडल जाएगा मुजफ्फरनगर

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहली मई को जिला मुजफ्फरनगर जाएगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल मुजफ्फरनगर जिले के ग्राम बड़ोदा थाना बुढ़ाना में विपिन कश्यप व कलीराम उर्फ कल्लू कश्यप की पिछले दिनों चाकू से गोदकर हत्या कर दी गयी थी, जिसकी जांच व पीड़ित परिवार से मिलकर ढांढस बधाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में सपा के राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, पूर्व सांसद राजपाल सैनी, प्रदेश सचिव सुधाकर कश्यप, पूर्व विधायक योगेश वर्मा व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी शामिल हैं।

आरओ प्लांट में भीषण आग, तीन घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सिलिंडर धमाके से दहला इलाका, लाखों का सामान खाक

मऊ। जिले के ग्राम सभा कोपा कोहना में बीती रात एक आरओ प्लांट में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आकर तीन सिलिंडर बारी-बारी से फट गए। सिलिंडरों के धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। कई लोग घायल हो गए। करीब 30 लाख का समान जलकर राख हो गया।

कोपागंज थाना क्षेत्र ग्राम सभा कोपा कोहना में रेलवे क्रॉसिंग के पास प्रमोद बरनवाल पुत्र सच्चितानंद बरनवाल का दो मंजिला मकान है। मकान के निचले तल पर आरओ प्लांट लगा हुआ था। दूसरी मंजिल पर वे अपनी पत्नी पूजा और दो बच्चे अनोखी (4) और अनमोल (2) वर्ष के साथ रहते हैं। मंगलवार रात करीब दो बजे शॉर्ट सर्किट से आरओ प्लांट में आग लग गई जिसके बाद पूरा घर धुएं से भर गया। आग की तपिश से प्रमोद की नींद खुल गई। चारों तरफ आग देख वे अपनी पत्नी और दोनों बच्चों को छत पर लेकर चला गये। छत से फायर बिग्रेड को सूचना दी और शोर मचाया। थोड़ी ही देर में फायर बिग्रेड और पड़ोसी मौके पर पहुंच गए। फायर बिग्रेड और ग्रामीणों के मदद से किसी प्रकार सभी को बचाया गया। इस दौरान अनमोल (2) , मनोज (45) और प्रमोद बरनवाल (36) घायल हो गए।

किसान की गला रेत कर हत्या, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पूर्व प्रधान पति सहित कई लोगों के खिलाफ मुकदमा

» पोखरे के पट्टे के विवाद को बताया जा रहा कारण

गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र के फूली ग्राम पंचायत के शेरपुर गांव में गेहूं के खेत में जमानियां कोतवाली के मोहम्मदपुर निवासी बद्रे आलम खां (45) की मंगलवार की रात धारधार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। आज तड़के पुलिस शव को कब्जे में लेकर थाने पहुंची और जांच-पड़ताल की। पत्नी तमन्ना की तहरीर पर पूर्व प्रधान पति अब्बास सहित पुत्र अरशद व आरिफ, भांजा इरफान व साला नौरेज खां के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ।

मोहम्मदपुर निवासी बद्रे आलम के मोबाइल पर रात नौ बजे किसी का फोन आया इसके बाद वह बाइक से घर से निकल गए। घंटों बाद घर नहीं पहुंचने पर स्वजन हैरान हो गए और खोजबीन में जुट गए। स्वजन व ग्रामीण खोजते हुए जमानियां कोतवाली पहुंच गए लेकिन वहां कुछ पता नहीं चलने पर वापस लौट आए। बाद में खेत में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बद्रे आलम के चेहरा पीठ व हाथ पर धारधार हथियार से वार किया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के पोखरे के पट्टे के विवाद में बद्रे आलम की हत्या की गई है। पत्नी तमन्ना एक माह पूर्व भांवरकोल थाना क्षेत्र में रानीपुर गांव अपने मायके पिता की तबीयत खराब होने पर गयी थी। घटना की सूचना मिलने पर वह घर पहुंची। बद्रे आलम की पत्नी तमन्ना ने पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया कि गांव के पूर्व प्रधान पति अब्बास व उनके पुत्र, भांजा द्वारा कई बार जान से मारने की धमकी दी थी जिसकी शिकायत जमानियां पुलिस व पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अवगत भी कराया गया था। पुलिस इस जांच में जुटी हुई है कि आखिर रात नौ बजे बद्रे आलम के मोबाइल पर किसका फोन आया और वह घर से निकल गए और हत्या हो गई।

बागपत में गर्भवती को उतारा मौत के घाट

बागपत। चांदीनगर थाना क्षेत्र के ललियाना गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने फांसी लगाकर गर्भवती की हत्या कर दी। पिता ने बेटी के चार ससुरालीजन के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के टयोढी गांव निवासी बृजमोहन पुत्र भीमसिंह ने थाने पर तहरीर दी। उन्होंने बताया कि चार साल पूर्व बेटी पूजा की शादी दहेज देकर ललियाना गांव निवासी गौरव कुमार पुत्र नत्थूराम से की थी। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुरालीजन दहेज को नाकाफी बताते हुए रुपयों की मांग करने लगे थे। आए दिन उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। उसकी बेटी गर्भवती भी थी। मारपीट से परेशान होकर वह मायके आई हुई थी। दो दिन पूर्व ही गौरव उसे अपने साथ लेकर गया था। तभी पूजा ने अपनी जान का खतरा ससुराल के लोगों से जताया था। मंगलवार को भी उसके साथ झगड़ा हुआ जिसकी जानकारी उसे दी गई था। रात में आरोपितों ने फांसी लगाकर उसकी बेटी की हत्या कर दी। पड़ोसी ने घटना की जानकारी फोन पर दी तो वह ललियाना पहुंचा जहां बेटी का शव पड़ा था।

स्कूल प्रबंधक से रिश्वत लेते लेखपाल को दबोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। मुरादाबाद से आई भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने स्कूल प्रबंधक से रिश्वत लेते एक लेखपाल को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ गंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद के अफसरों को शिकायत मिली थी कि तहसील सदर के बहपुरा गांव पर तैनात लेखपाल अजय पाल स्कूल प्रबंधक पप्पू सिंह से दाखिल खारिज कराने के नाम पर चार हजार की रिश्वत मांग रहा है। इस मामले में टीम ने मंगलवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ से मुलाकात की। डीएम की अनुमति मिलने के बाद लेखपाल को पकड़ने की योजना बनाई। पप्पू सिंह तहसील में बने उसके आवास पर पहुंचे और दाखिल खारिज के लिए चार हजार की रिश्वत दी। जैसे ही उसने रुपये लिए तुरंत ही इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह की टीम ने उसे दबोच लिया। पप्पू सिंह ने कल ही भ्रष्टाचार निवारण संगठन मुरादाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी।

बसपा की बैठक में मारपीट, पूर्व मंत्री समेत तीन निष्कासित

» वर्तमान कार्यकारिणी को भंग करने को लेकर हुआ विवाद

» कोऑर्डिनेटरों से अभद्रता का आरोप, नौचंदी थाने में तहरीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। बसपा के पश्चिमी उप्र प्रभारी शमसुद्दीन राईन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंडलीय बैठक में जमकर हंगामा व मारपीट हुई। एक पक्ष की मांग थी कि वर्तमान कार्यकारिणी भंग कर नए सिरे से गठन किया जाए जो वर्तमान कार्यकारिणी के पक्ष के लोगों को मंजूर नहीं था। बाद में शाम तक तीन नेताओं पूर्व मंत्री योगेंद्र जाटव, पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष प्रधान व पूर्व विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष प्रबुद्ध जाटव को राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की संस्तुति पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। योगेंद्र व सुभाष पक्ष की ओर से अनिल प्रधान ने नौचंदी थाने में तहरीर दी गई है।

जिलाध्यक्ष मोहित कुमार जाटव ने बताया कि जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष व कोआर्डिनेटरों की बैठक में हंगामा हो रहा था। बाहर कुछ नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। सिवालखास विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष विकास रोहटा ने इन्हें हंगामा करने से रोका। इन लोगों ने विकास के साथ मारपीट कर दी। जिलाध्यक्ष व कोऑर्डिनेटर ने हस्तक्षेप किया तो ये नेता जिलाध्यक्ष व कोर्डिनेटरों के साथ अभद्रता करने लगे। इसकी सूचना राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी गई। इस पर तीनों आरोपियों को निष्कासित किया गया। उधर, पूर्व मंत्री योगेंद्र जाटव का कहना है कि शमसुद्दीन राईन का लंबे समय से विरोध हो रहा है। उन लोगों ने जिला संगठन में बदलाव में करने की सलाह दी। कार्यकर्ता भी शमसुद्दीन राईन व कोर्डिनेटरों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इस पर शमसुद्दीन राईन, मोहित जाटव आदि ने उन सबके साथ मारपीट की। बसपा के पश्चिमी उप्र प्रभारी शमसुद्दीन राईन ने कहा कि बसपा किसी भी स्तर की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करती। जब मारपीट तक बात पहुंच गई तो उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती को सूचना दी गई। उन्होंने आरोपी तीनों कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

सांप्रदायिकता के जरिए की जा रही वोट की खेती!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने रामनवमी-हनुमान जयंती समारोह के दौरान हालिया सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए एक पूर्व सीजेआई की अध्यक्षता में न्यायिक जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उस राहत के लिए मत पूछो जो इस अदालत द्वारा नहीं दी जा सकती। यह याचिका अव्यवहारिक है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर दुबे, सैयद कासिम, सुशील दुबे, दिल्ली विवि से प्रो. लक्ष्मण यादव, प्रो. सुधांशु कुमार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उमाशंकर दुबे ने कहा चुनाव के समय बुलडोजर किनके घरों पर चलाने की बात हुई थी, गुंडे-माफिया की मगर सरकार इसका उपयोग कहां कर रही है, ये सब देख रहे हैं। नियम-कानून ताक पर हैं। सैयद कासिम ने कहा, इस्लाम ये इजाजत नहीं देता कि इबादत की नुमाइश हो, शोर का जवाब शोर से दो। इस्लाम भाईचारे की शिक्षा देता है। मेरा मानना है कि देश में संविधान का पालन होना चाहिए।

प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा मस्जिद के बाहर एक महंत ने विवादित बयान दिया और फिर सीतापुर जेल से बाहर आकर उसने कहा हमने कुछ गलत नहीं कहा। इंस्पेक्टर सुबोध की हत्या करने वाला विश्व हिंदू परिषद से जुड़ा था। बाहर आया तो उसे माला पहनाई गई। ये सांप्रदायिकता मुस्लिम विरोधी है ऐसा नहीं, ये सांप्रदायिकता सबको मारेगी। सुशील दुबे ने कहा सीतापुर जेल जाने वाला महंत पहले डर रहा था जब जेल चला गया तो बोला मैंने सही कहा। अपनी बात पर कायम हूं। हिंदू धर्म के लिए प्राण दे दूंगा। भगवा पहन कर धर्म को बदनाम कर रहे हैं कुछ लोग। आजकल टीवी पर जो प्रवचन करते हैं, महंगे-महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। महंगे-महंगे कपड़े पहनते हैं। सिवाय अध्यात्म की बात न कर, अपना प्रचार करने में लगे हुए हैं।

प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा आजकल हमारे संविधान की आत्मा मारी जा रही है। हमने जो सारी चीजें सीखी हिंदू-मुस्लिम सिख ईसाई, आपस में भाई-भाई, मगर अब मजाक हो रहा है। लोग वोट की खेती करने में लगे हुए हैं।

ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय सहयोग और बढ़ेगा : राजनाथ सिंह

» रक्षा मंत्री ने ब्रिटेन के रक्षा खरीद मंत्री से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रिटेन के रक्षा खरीद मंत्री जेरेमी क्विन से बातचीत की। यह बातचीत विमानन और जहाज निर्माण जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित थी। राजनाथ ने ट्वीट किया कि ब्रिटेन के रक्षा खरीद मंत्री जेरेमी क्विन के साथ एक शानदार बैठक हुई। हमने दोनों देशों के लिए विमानन, जहाज निर्माण और अन्य रक्षा औद्योगिक कार्यक्रमों से संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की।

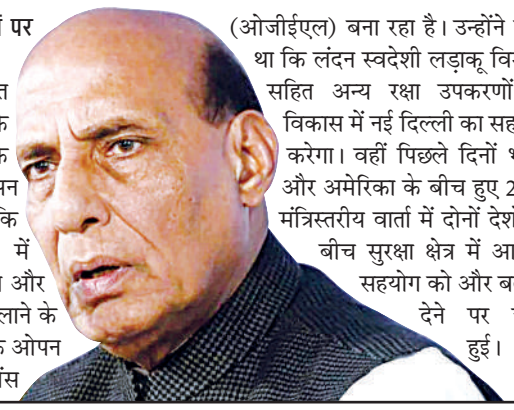

बीते सप्ताह भारत की अपनी यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने घोषणा की थी कि ब्रिटेन रक्षा खरीद में नौकरशाही की भूमिका और आपूर्ति समय में कमी लाने के लिए भारत के लिए एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस (ओजीईएल) बना रहा है। उन्होंने कहा था कि लंदन स्वदेशी लड़ाकू विमानों सहित अन्य रक्षा उपकरणों के विकास में नई दिल्ली का सहयोग करेगा। वहीं पिछले दिनों भारत और अमेरिका के बीच हुए 2+ 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता में दोनों देशों के बीच सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को और बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। यह सहयोग साथ मिलकर नए अत्याधुनिक सैन्य साजो-सामान के निर्माण से लेकर दोनों देशों के विशेष सैन्य बलों के बीच सामंजस्य को बेहतर बनाने तक होगा। दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल की जरूरत को देखते हुए हर वर्ष बातचीत करने का एक ढांचा तैयार किया गया है, जिसकी शुरुआत इसी वर्ष होगी। दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग में एक दूसरे के साथ सूचनाओं को और तेजी से साझा करने पर भी सहमति बनी है। आपको बता दें कि एक दशक पहले तक भारत अमेरिका से कोई भी रक्षा खरीद नहीं करता था। लेकिन मौजूदा वक्त में अमेरिका भारत का एक प्रमुख रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। वार्ता के दौरान सैन्य क्षेत्र में सहयोग पर हुई बातचीत के बारे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अमेरिका हमारा रणनीतिक साझीदार देश है और मैंने अमेरिकी कंपनियों को भारत के रक्षा क्षेत्र में निवेश करने व विकास के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिकी कंपनियां भारत में हर तरह के सैन्य उपकरण बना सकती हैं। हम साझा लक्ष्यों को लेकर काम कर रहे हैं।

देशद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट करेगा पांच मई को अंतिम सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एक सप्ताह में देना होगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र सरकार को देशद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सप्ताह के अंत तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि वह इस मामले में अंतिम सुनवाई 5 मई को शुरू करेगी और स्थगन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं करेगी।

पीठ ने कहा कि हम केंद्र को इस सप्ताह के अंत तक जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हैं। मंगलवार तक हलफनामे का जवाब दाखिल करें। पीठ ने कहा कि मामले को बिना किसी स्थगन के 5 मई को अंतिम निपटान के लिए सूचीबद्ध करें।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख ने कहा कि पीयूसीएल द्वारा दायर याचिका को सूचीबद्ध नहीं किया गया है। तब पीठ ने कहा, क्या आप इस मुद्दे को सुलझाना चाहते हैं या सभी याचिकाओं को सूचीबद्ध करना चाहते हैं? यदि आप इसमें देरी करना चाहते हैं तो यह आप पर है। बता दें कि देशद्रोह पर औपनिवेशिक युग के दंड कानून के भारी दुरुपयोग से चिंतित, शीर्ष अदालत ने पिछले साल जुलाई में केंद्र से पूछा था कि वह स्वतंत्रता आंदोलन को दबाने के लिए महात्मा गांधी जैसे लोगों को चुप कराने के लिए अंग्रेजों द्वारा इस्तेमाल किए गए प्रावधान को निरस्त क्यों नहीं कर रहा।

स्वास्थ्य मंत्री की राह पर अधिकारी

अपर स्वास्थ्य निदेशक ने किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री सरकारी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के इस कदम के बाद अब विभाग के अफसर भी उनकी राह पर चल पड़े हैं। अपर स्वास्थ्य निदेशक ने मथुरा में जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

औचक निरीक्षण से जिला अस्पताल में हड़कंप मच गया। अपर स्वास्थ्य निदेशक आगरा मण्डल डॉ के के अग्रवाल बुधवार की सुबह अचानक जिला अस्पताल पहुंच गए। बिना किसी सूचना और तामझाम के जिला अस्पताल पहुंचे एडी ने औचक निरीक्षण शुरू कर दिया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी अलर्ट हो गए। अपर स्वास्थ्य निदेशक ने अपने निरीक्षण की शुरुआत पर्चा बनवाने से की। यहां उन्होंने आम मरीजों की तरह लाइन में लगकर पर्चा बनवाया। पर्चा बनवाने के बाद ए डी ने लैब, एक्स रे सेंटर, वार्ड और ओपीडी का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान एडी आम मरीजों की तरह जिला अस्पताल में एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय घूमते रहे। इस दौरान उन्होंने करीब 2 घण्टे तक जिला अस्पताल की वास्तविक स्थिति को परखा। एडी के औचक निरीक्षण की जानकारी मिलते ही मीडिया कर्मी जिला अस्पताल पहुंच गए।

अलवर सांसद ने मुख्यमंत्री गहलोत से मांगा इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। 22 अप्रैल को अलवर में 300 साल पुराने मंदिर पर बुलडोजर चलाए जाने का मामला सामने आने के पांच दिन बाद हिंदू संगठनों और साधु-संतों ने आज आक्रोश रैली निकाली।

आक्रोश रैली की अगुवाई कर रहे अलवर सांसद बालक नाथ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान सरकार को तुष्टीकरण की राजनीति करने से रोकने के लिए यह मार्च निकाल रहे हैं। जिन अधिकारियों ने मंदिर तोड़ा है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाए और दोबारा मंदिर बनाया जाए। फिलहाल साधु-संतों और कलेक्टर शिवप्रसाद नकाते के बीच बातचीत का दौर चल रहा है। इसमें समाज के कई साधु, संत भी मौजूद हैं। वे अधिकारियों पर कार्रवाई को लेकर अड़े हुए हैं। अलवर के राजगढ़ में प्रशासन की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान 300 साल पुराना मंदिर तोड़ दिया था। इसके बाद से ही भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर है और मुद्दे को भुनाने की कोशिश कर रही है।

मॉल के बाहर अवैध पार्किंग मेयर ने दिए कार्रवाई के आदेश

» संयुक्ता भाटिया ने संचालक पर एफआईआर कराने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की महापौर संयुक्ता भाटिया का औचक निरीक्षण अभियान जारी है। आज महापौर ने हिन्द नगर वार्ड का औचक निरीक्षण किया। वार्ड में कचरा व गंदगी देख बिफर पड़ी। लापरवाही पाए जाने पर एसएफआई कुलदीपक सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया। साथ ही दोनों कार्यदायी संस्थाओं एफबी ट्रेडर्स एवं शार्क अटैकिंग पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना लगाने के लिए निर्देशित किया।

महापौर संयुक्ता भाटिया ने हिन्द नगर वार्ड के सेक्टर डी, बारबिरवा, पिकेडली रोड, फीनिक्स मॉल रोड, मानसरोवर मार्केट आदि क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर को सेक्टर डी में नालियों में सिल्ट जमा मिली, जिस पर महापौर ने एसएफआई को कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कुष्ट आश्रम के पास सफाई नही होने पर नाराजगी जाहिर की। सफाई का अलबत्ता यही हाल महापौर के निरीक्षण में हर जगह मिला। इससे आहत महापौर ने एसएफआई कुलदीपक को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मेयर भाटिया हिन्दनगर वार्ड में फीनिक्स मॉल के पास लगी पार्किंग पर पहुंच गईं। सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों को देखकर महापौर ने नराजगी जताई। पार्किंग में वाहन खड़े होने के कारण पीछे की नालियां जाम थी। इस पर महापौर ने पार्किंग संचालक पर नाराजगी जताई और पार्किंग आवंटन के कागजात मांगे, जिस पर संचालक कागजात नहीं दिखा सका, जिस पर महापौर ने जोनल सेनेटरी ऑफिसर राजेश झा और जोनल अधिकारी संगीता कुमारी से पार्किंग के सम्बंध में पूछताछ की तो पता चला कि पार्किंग अवैध रूप से संचालित हो रही है और कई बार हटाने के प्रयास किया जा चुका है। परंन्तु नहीं हटाया जा सका है। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह से रिपोर्ट तलब करते हुए एफआईआर कराने के लिए निर्देशित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।